dates of their continuous officiation and direct recruits shall be given ' seniority with effect from the dates from which their names "were re. commended by Union Public Service Commission. Further promotions in the service will depend on the posi- *r-* tions of direct recruits and promotees in the seniority list.

(c) The direct recruits and promoted officers of the Indian Economic . Service are treated equally and there is Ho special consideration for the direct recruits. It is proposed to take up the Cadre Review soon after

- the implementation of the Hon'ble Court's

orderRemunerative

Prices for Sugarcaae

2297. SHRI KALPNATH BAI: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that uni form prices were not paid to sugar, cane growers in different States and ' they were the lowest in the case of Uttar Pradesh; and

(b) if so, what steps are being taken to pay uniform remunerative prices to the sugarcane growers throughout the country?

THE MINISTER OF STATE IN : THE MINISTRY OF PLANNING AND FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI AJIT PANJA): (a) and (b) The statutory minimum price of sugarcane fixed by the Centra] Gov-ernment is linked to recovery and is uniform throughout the country. Thus the price of Rs. 16.50 per quin^ f tal linked to 8.5 per cent recovery fixed for 1985-86 season is payable uniformally in all the States includ. ing mills in Uttar Pradesh. However, certain State Governments ad. vise the sugar factories to pay higher prices, taking into consideration, among other things, local factors. The price being received by the growers of U.P. is not the lowest in the country and is comparable to the prices being received by growers in the other northern States.

हिन्दी में पर्यटन संबंधी साहित्य

2298. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **संसदीय कार्य और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पर्यटन संबंधी साहित्य को हिन्दी में तैयार करने तथा प्रकाशित करने के लिए हाल में क्या व्यवस्था की गई है; और

(ख) उन लेखकों के नाम क्या हैं जिनके लेख वापस लौटा दिए गए थे और उसके क्या कारण थे ?

संसदीय कार्य और पर्यटन मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत) : (क) भारत में पर्यटक अभिरूचि के स्थानों को समाहित करते हुए ब्रोशरों और पैम्फलेट्स आदि की हिन्दी में रचना और प्रकाशन करना एक सतत प्रक्रिया है, और पर्यटन विभाग तथा कई राज्य सरकारों द्वारा प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में ऐसी सामग्री प्रकाशित की जाती है । इसके अलावा 1985 में पर्यटन विभाग ने चारों धामों यथा बदरीनाथ, राममेश्वरम, पुरी और द्वारिका पर चार फोल्डर्स के एक सैट का प्रकाशन किया है । देश के विभिन्न तीर्थ स्थानों को समाहितकरते हुए हिन्दी में एक ब्रोशर का प्रकाशन भी फिलहाल भारत पर्यटन विकास निगम के पास प्रकाशनाधीन है ।

(ख) भूतपूर्व पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय द्वारा हिन्दी में प्रकाशित की जाने वाली प्रस्तावित पत्रिका के संबंध में प्राप्त कुछ लेख वापिस लौटा दिए गए हैं क्योंकि संपूर्ण परियोजना पर पर्यटन विभाग तथा नागर विमानन विभाग के अलग-अलग हो जाने से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है । इन लेखकों की एक सूची संलग्न विवरण में दी गई है ।

विवरण

उन लेखकों की सूची जिनके लेख वापिस लौटा दिए गए थे ।

1. श्री बी०डी० बेंगाली, इलाहाबाद
2. श्री विमल कुमार श्रीवास्तव, नई दिल्ली
3. श्री चन्द्र पाल शर्मा, बमरौली (इलाहाबाद)
4. डा० जगदीश चन्द्र जैन, बम्बई
5. श्री फारूक आफरीदी, नई दिल्ली
6. श्री मंगत राम अस्माना, नई दिल्ली
7. डा० एन० चन्द्रशेखरन नायर, त्रिवेन्द्रम–695004
8. श्री विष्णु प्रभाकर, दिल्ली–110006
9. श्री एस० एस० सिंह, बम्बई–400008
10. श्री शशिशेखर तिवारी, भागलपुर
11. एयर इंडिया, बम्बई
12. श्री एल० एस० सिंह, उपनाम शैलेश भारती, बम्बई–400008
13. श्री बी० आर० चौहान, नई दिल्ली
14. महानिदेशक, पर्यटन विभाग, नई दिल्ली
15. श्री सिराज अहमद, नई दिल्ली
16. श्री मसूद असलाम, अलीगढ़
17. मोहम्मद अहमद सिद्दीकी अलीगढ़
18. श्री राधा कान्त भारती, नई दिल्ली
19. डा० बी० के० चक्रवर्ती, पटना
20. श्री देवेन्द्र कुमार, भोपाल
21. श्री के० एस० नागारागन, मद्रास

हिन्दी साहित्य (17 मार्च, 1986 की स्थिति)

1. पश्चिम भारत ब्रोशर–1980
2. पश्चिम भारत–1984
3. दक्षिण भारत–1980
4. दक्षिण भारत–1984
5. उत्तर भारत–1980
6. उत्तर भारत–1984
7. ताजशैलफोल्डर–1984 अंग्रेजी/हिन्दी
8. पूर्व भारत–1984
9. हमारा भारत–1979
10. चार धाम पुरी–1985
11. चार धाम बद्रीनाथ–1985
12. चार धाम द्वारिका–1985
13. चार धाम रामेश्वरम्–1985

पीयरलैस जैनरल फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड

2299. **श्री राम सिंह भाई पातलीया-भाई राठवा** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि पीयरलैस जनरल फाइनेंस कम्पनी लिमिटेड ने 1983–84 और 1984–85 के वर्षों के दौरान कितना रुपया सरकारी प्रतिभूतियों में रखा था ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : सूचना एकत्र की जा रही है और यथा उपलब्ध तथा कानूनों के अन्तर्गत अनुज्ञेय सूचना सभा पटल पर रख दी जाएगी ।